सच्चाई के दम पर जोश के साथ...

प्रधान संपादकः रतन प्रकाश सिंह

www.swarajindianews.com swarajindianews swarajindianews

स्वराज इंडिया

दैनिक सांध्यकालीन

कानपुर, बुधवार, 26 नवंबर, 2025
वर्षः 02, अंकः 315, पृष्ठः 8+4, मूल्यः ₹ 2/-

संविधान सशक्त लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक, सभी को समान अधिकार

» Pg12

इनसाइड फर्जी सेबी सलाहकार बनकर डॉक्टरों से करोड़ों की... » Pg03

हरियाणा में दिल दहला देने वाली घटनाएं

नाकारा सिस्टम की बलि चढ़ गए दो उभरते प्लेयर

बास्केटबॉल पोल गिरने से नेशनल लेवल के दो खिलाड़ियों की दुःखद मौत से उठे कड़े सवाल!

सीसीटीवी में दिखा मौत का मंजर, परिजनों ने लगाए गंभीर आरोप

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

रोहतक/बहादुरगढ़। हरियाणा में दो दुखद घटनाएं हुई हैं, जिनसे एक तरफ व्यवस्था पर सवाल उठे हैं तो वहीं उदीयमान प्रतिभाओं को देश ने खो दिया है। बास्केटबॉल के नेशनल लेवल के खिलाड़ी हार्दिक राठी के ऊपर पोल ही गिर गया, जिस दौरान वह प्रैक्टिस कर रहे थे। इस हादसे में 16 साल के हार्दिक मौत हो गई। वह तीन सब जूनियर नेशनल व एक यूथ नेशनल प्रतियोगिता में भाग ले चुका था। यह घटना रोहतक के लाखन माजरा गांव की है। इसके अलावा एक और हादसा बहादुरगढ़ में हुआ है, जहां 15 साल के अमन की बास्केटबॉल का ही पोल गिरने से मौत हो गई। दोनों 10वीं क्लास के छात्र थे और बास्केटबॉल में अपना भविष्य बनाना चाहते थे। इन हादसों ने हरियाणा में खेल ढांचे और सुविधाओं को लेकर भी सवाल उठाए हैं।

हार्दिक राठी के साथ यह हादसा उस वक्त हुआ, जब वह प्रैक्टिस कर रहे थे। उन्होंने उछलकर बास्केटबॉल पोल को पकड़ा और वह उनके ऊपर ही गिर पड़ा। हार्दिक उसके नीचे दब गए और पोल का एक सिरा तेजी से उनके सीने पर लगा था। उनके दोस्तों ने यह वाकया देखा तो तेजी से दौड़कर आए, लेकिन बचाया नहीं जा सका। इसकी सीसीटीवी फुटेज भी सामने आई है, जिसमें दिखता है कि वह कोर्ट में अकेले ही प्रैक्टिस कर रहे हैं। वह थ्री पॉइंट लाइन से दौड़कर आते हैं और सेमी सर्कल के पास से पोल की ओर छलांग लगाकर उसे पकड़ते हैं। वह बास्केट पकड़ते ही हैं कि पोल अपनी जड़ से उखड़ जाता है और उन पर आ गिरता है।

रोहतक के लाखनमाजरा के बास्केटबॉल स्टेडियम में समय रहते सांसद कोटे से मंजूर 20 लाख की ग्रांट सुधार पर लगा दी जाती तो राष्ट्रीय स्तर के एक होनहार खिलाड़ी हार्दिक राठी की जान बच जाती, क्योंकि 18 साल पहले लगाया गया बास्केटबॉल का पोल जर्जर हो चुका था। इसके अलावा बहादुरगढ़ में भी एक हादसा हुआ है। रेलवे रोड स्थित शाहीद ब्रिगेडियर होशियार सिंह स्टेडियम में रविवार को 15 वर्षीय बास्केटबॉल खिलाड़ी अमन पर जर्जर बास्केटबॉल पोल गिर गया था। रोहतक पीजीआई में उसका इलाज चल रहा था। सोमवार रात उसकी मौत हो गई। परिवार का आरोप है कि समय पर इलाज न मिलने से अमन की हालत बिगड़ती चली गई। मंगलवार को अमन का अंतिम संस्कार किया गया। अमन के चचेरे भाई रोहित ने बताया कि रविवार दोपहर करीब साढ़े तीन बजे अमन स्टेडियम में अभ्यास के लिए गया था।

10 मिनट बाद ही परिजनों को सूचना मिली कि बास्केटबॉल स्टैंड गिरने से अमन गंभीर रूप से घायल हो गया है। गिरा हुआ पोल अमन के पेट पर लगने से उसे अंदरूनी चोटें आई। अमन को नागरिक अस्पताल ले जाया गया, जहां से पीजीआई रेफर किया गया। परिवार का आरोप है कि वहां समय पर इलाज न मिलने से उसकी हालत बिगड़ती चली गई। आखिरकार सोमवार रात अमन ने दम तोड़ दिया।

साप्ताहिक जांच का नियम सिर्फ कागजों तक सीमित है?

परिवार का आरोप है कि अस्पताल में समय पर उपचार मिलता तो अमन बच सकता था, पर अब प्रशासन यह भी नहीं बता पा रहा कि ग्राउंड की साप्ताहिक जांच वास्तव में हुई भी थी या सिर्फ कागजों में दर्ज की गई। जब पोल की हालत बिगड़ती दिख रही थी तो निरीक्षण किसने किया, रिपोर्ट किसने पास की और लापरवाही किसने छिपाई– इन सवालों के जवाब सरकार की घोषित जांच से कहीं पहले मिलने चाहिए थे।

गांव के 16 खिलाड़ी कर चुके हैं देश का नाम रोशन

गांव में 16 खिलाड़ी अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का नाम रोशन कर चुके हैं। इसमें सुनील राठी, नरेंद्र राठी, विनय कौशिक, सोमबीर राठी भी शामिल हैं। इसके अलावा, 50 से ज्यादा गांव के खिलाड़ी राष्ट्रीय स्तर पर खेल चुके हैं। 20 साल पहले गांव में युवा स्पोर्ट्स क्लब बना था।

सिस्टम नींद से जागा नहीं, नेशनल खिलाड़ी हमेशा के लिए सो गया

कुछ कहानियाँ शुरू होने से पहले ही खत्म हो जाती हैं, और हार्दिक राठी की कहानी उन्हीं में से एक बन गई। रोहतक का यह 16 साल का लड़का भारत की बास्केटबॉल टीम तक पहुंच चुका था, उम्र छोटी थी लेकिन सपने आसमान जितने बड़े। कुछ दिनों की छुट्टी पर वह अपने गांव आया था और रोज़ की तरह उसी मिट्टी पर वापस चला गया, जहां से उसका खेल सफर शुरू हुआ था। लेकिन अभ्यास के दौरान अचानक बास्केटबॉल का भारी लोहे का पोल उसकी छाती पर गिर पड़ा। कुछ ही पलों में वह लड़का, जो देश के लिए खेलना चाहता था, मैदान से उठकर अस्पताल भी नहीं पहुंच पाया। उसकी प्रतिभा, उसकी मेहनत, उसका भविष्य– सब कुछ एक लापरवाह पोल के नीचे दब गया। यह सिर्फ एक हादसा नहीं, बल्कि एक चेतावनी है कि कितनी अनदेखी और कितनी चूकों के बीच हमारे बच्चे खेलते, सपने देखते और कभी-कभी अपनी जान तक गंवा देते हैं।

टीम इंडिया में हुआ था चयन, होनी को कुछ और था मंजूर

क्या... निगरानी सिर्फ कैमरे तक सीमित थी?

ग्राउंड में लगे कैमरे सिर्फ फुटेज रिकॉर्ड करने के लिए हैं या उनसे सुरक्षा खामियों की पहचान भी की जानी चाहिए थी, यह सवाल अभी अनुत्तरित है। अगर कैमरे हर गतिविधि देखते हैं तो पोल की बार-बार झुकती हालत क्यों नहीं नोटिस की गई। क्या कोई निगरानी अधिकारी नियुक्त था या पूरी व्यवस्था ठेकेदार के भरोसे छोड़ दी गई थी। अधिकारियों ने आखिरी बार खुद मैदान का निरीक्षण कब किया, इसका जवाब भी कोई देने को तैयार नहीं है।

क्या जर्जर पोल को पहले नहीं देख सके जिम्मेदार?

हादसे से पहले कितनी बार ग्राउंड की रूटीन जांच हुई और किसने की, इसका कोई रिकॉर्ड सामने क्यों नहीं आता। खेल विभाग द्वारा इंस्टॉलेशन की मजबूती को लेकर आखिरी तकनीकी टेस्ट कब हुआ, इसका जवाब आज तक किसी के पास क्यों नहीं है। खिलाड़ियों की सुरक्षा चेकलिस्ट बनाने की बात हर मीटिंग में होती है, लेकिन जमीन पर लागू क्यों नहीं की जाती।

गर्व की बात: राम मंदिर पर लहराया पैराशूट फैक्ट्री कानपुर का बना धर्मध्वज

» पैराशूट ग्रेड नायलॉन से तैयार धूप, बारिश, आंधी में भी नहीं होगा खराब

» वजन सिर्फ 2.5 किलो, ध्वज की डिजाइन भी ओपीएफ की टीम ने बनाई

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। अयोध्या के श्रीराम जन्मभूमि मंदिर के मुख्य शिखर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को जिस धर्मध्वज को फहराया, वह कानपुर की ऑर्डिनेंस पैराशूट फैक्ट्री (ओपीएफ) में बना है। रक्षा मंत्रालय के निर्देश पर ओपीएफ की विशेषज्ञ टीम ने उच्च गुणवत्ता वाले नायलॉन पैराशूट फैब्रिक से यह विशेष ध्वज तैयार किया है, जो धूप, बारिश, तेज हवा और मौसम के हर असर से सुरक्षित रहेगा। 22 फीट लंबा और 11 फीट ऊँचा यह ध्वज बेहद हल्का (2.5 किलो) होने के बावजूद अत्यंत मजबूत है।

इस पर कोविदार वृक्ष, सूर्य और उसके भीतर 'ॐ' का पवित्र प्रतीक भी ओपीएफ ने ही डिजाइन किया है। फैक्ट्री अधिकारियों ने 18 नवंबर को अयोध्या पहुंचकर यह ध्वज राम मंदिर ट्रस्ट को सौंपा था। ट्रायल के सफल होने के बाद इसे आधिकारिक रूप से तैयार किया गया। भविष्य में जितनी भी मांग आएगी, उसी अनुसार ध्वज अयोध्या भेजा जाएगा।

भारत में रक्षा क्षेत्र के लिए पैराशूट बनाने वाला एकमात्र प्रतिष्ठान कानपुर की ऑर्डिनेंस पैराशूट फैक्ट्री इस ध्वज निर्माण के साथ एक बार फिर सुर्खियों में है। यहां फाइटर जेट ब्रेक पैराशूट से लेकर सप्लाई ड्रॉपिंग और पायलट पैराशूट तक सभी प्रकार के पैराशूट बनाए जाते हैं।

जीआईएल के सीएमडी एमसी बाला सुब्रमणियम ने कहा कि श्रीराम मंदिर के लिए धर्मध्वज बनाना अत्यंत गर्व का विषय है और यह ओपीएफ की दक्षता का प्रमाण है।

भारतीय प्रतिरक्षा मजदूर संघ के राष्ट्रीय संयुक्त मंत्री योगेंद्र सिंह चौहान ने भी इसे देशभर के आयुध कर्मचारियों के लिए सम्मान और सौभाग्य का क्षण बताया।

अयोध्या में फहराता यह विशेष ध्वज न सिर्फ तकनीक और सामर्थ्य का प्रतीक है, बल्कि करोड़ों भक्तों की आस्था और भावनाओं का भी उज्ज्वल प्रतीक भी बन गया है।

दुल्हन ने इंजीनियर दूल्हे को पागल कहा, बारात वापस लौटी

द्वारचार के बाद दुल्हन के आरोपों से मचा हंगामा, बाराती भी भड़के

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। साढ़ थाना क्षेत्र में उस समय अफरा-तफरी मच गई जब जयमाल और फेरों से ठीक पहले दूल्हा-दुल्हन के बीच विवाद इतना बढ़ गया कि पूरी बारात बिना दुल्हन के ही लौट गई।

घाटमपुर से आई बारात का स्वागत और द्वारचार पूरे रीति-रिवाज के साथ हो चुका था। लेकिन इसी दौरान दुल्हन ने अचानक दूल्हे और बारातियों पर आरोप लगाने शुरू कर दिए।

दुल्हन ने पहले बारात देर से आने की बात कही, फिर बारातियों को नशे में बताया। माहौल तब गरमा गया जब दुल्हन ने साफ्टवेयर इंजीनियर दूल्हे को 'पागल' कह दिया। इस बात पर लड़के पक्ष ने कड़ा एतराज जताया और मौके पर हंगामा शुरू हो गया। उधर, विवाद बढ़ने की सूचना मिलते ही साढ़ चौकी प्रभारी सर्वेंद्र कुमार मौके पर पहुंच गए। पूछताछ में पता चला कि दूल्हा लखनऊ में सॉफ्टवेयर इंजीनियर है, लेकिन लड़की पक्ष बारातियों के व्यवहार और दूल्हे द्वारा बार-बार गर्म पानी मांगने जैसे आरोप लगाता रहा। पुलिस ने दोनों पक्षों को बैठाकर बात कराई। इसके बाद लेन-देन और सामान की वापसी को लेकर सहमति बनी। किसी भी पक्ष ने लिखित शिकायत नहीं दी, जिसके बाद देर रात बारात बिना दुल्हन के ही वापस लौट गई।

राखी मंडी में भीषण आग

» आधा दर्जन से अधिक गोदामों का माल जलकर खाक

» दमकल ने कड़ी मशक्कत से पाया काबू

» प्रमुख संवाददाता/ स्वराज इंडिया

कानपुर। बुधवार सुबह करीब पांच बजे अफीम कोठी की राखी मंडी में भीषण आग लग गई। हादसे में कबाड़ के पांच गोदाम जलकर राख हो गए। आग बुझाने के लिए फायर ब्रिगेड और नगर निगम की कई गाड़ियां मौके पर पहुंची थीं।

कानपुर में अफीम कोठी की राखी मंडी क्षेत्र में बुधवार सुबह करीब पांच बजे भीषण आग लग गई। इस हादसे में कबाड़ के पांच गोदाम जलकर पूरी तरह से राख हो गए। आग लगने की सूचना मिलते ही हड़कंप मच गया। आग बुझाने के लिए तत्काल फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर पहुंचीं।

आग की विकरालता को देखते हुए नगर निगम की गाड़ियां भी मौके पर बुलाई गईं। कबाड़ का सामान ज्वलनशील होने के कारण आग तेजी से फैली, जिससे कबाड़ के पांच गोदाम पूरी तरह जल गए। फायर ब्रिगेड और नगर निगम की टीमों द्वारा घंटों की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया जा सका। आग लगने के कारणों की जांच की जा रही है।

साइबर क्राइम

कानपुर में संगठित साइबर गिरोह का कहर...!

फर्जी सेबी सलाहकार बनकर डॉक्टरों से करोड़ों की ठगी

- पहले भी हो चुके हैं बड़े इंटरनेट धोखाधड़ी के मामले
- कानपुर में ऑनलाइन ठगी के मामले लगातार बढ़ रहे हैं।
- सितम्बर 2025 में दो लोगों से ?85 लाख से अधिक की ठगी हुई थी।
- अप्रैल 2025 में एक व्यवसायी से 2.31 करोड़ की इंटरनेट ठगी का मामला सामने आया था।
- वर्ष 2024 में अंतरराज्यीय गिरोह पकड़ा गया था, जो बिजली-गैस बिल अद्यतन के नाम पर लाखों रुपये उड़ा चुका था।
- ई-सिम बदलकर खातों से रकम उड़ाने की घटनाएँ भी वर्ष 2025 में चर्चा में रहीं।

सलाहकार बनकर दिया निवेश का झांसा, उड़ गए पैसे

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। शहर में इंटरनेट आधारित ठगों के हौसले इस कदर बुलंद हो चुके हैं कि अब वे पढ़े-लिखे पेशेवरों को भी बड़े पैमाने पर निशाना बना रहे हैं। ताजा मामला तिलक नगर निवासी डॉ. राजीव रंजन का है, जो संगठित ऑनलाइन ठगी गिरोह के जाल में फंसकर करोड़ों रुपये गंवा बैठे।

पीड़ित को दीपावली के आसपास एक अनजान संदेश आया, जिसमें खुद को भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) से पंजीकृत शेयर बाज़ार सलाहकार बताया गया था। ठगों ने दावा किया कि उनकी कम्पनी शेयर तथा सार्वजनिक निवेश प्रस्ताव (आईपीओ) 10॥15 प्रतिशत कम दर पर उपलब्ध कराती है और निवेश पर भारी मुनाफा दिलाती है। इसके बाद डॉ. रंजन को लॉन्च क्लब एच-49 नामक संदेश समूह में जोड़ लिया गया, जिसमें पहले से कई सदस्य मौजूद थे।

समूह में प्रतिदिन फर्जी शेयर कारोबार विश्लेषण, मुनाफे के नकली स्क्रीनशॉट तथा निवेश बढ़ाने के दबाव का सिलसिला चलता रहा। ठगों ने 24 अक्टूबर को एक कड़ी (लिंक) भेजकर वेंटुरा ग्लोबल नाम की नकली निवेश साइट डाउनलोड कराई। शुरुआती दिनों में मुनाफा दिखाकर विश्वास बढ़ाया गया और धीरे-धीरे पीड़ित से कुल 1,03,81,349 का निवेश करा लिया गया। समूह में मौजूद वैदेही देशमुख, शार्विका बेनेटी और आर. अमरनाथ नामक व्यक्तियों ने खुद को सेबी प्रमाणित बताकर फर्जी कागज़ भेजे। 11 नवंबर को गिरोह ने नई कहानी गढ़ते हुए बताया कि आर. अमरनाथ को गोपनीय जानकारी के उपयोग (इनसाइडर ट्रेडिंग) में गिरफ्तार कर लिया गया है और उस पर 100 करोड़ रुपये का दंड लगाया गया है, जिसके चलते वेंटुरा ग्लोबल के सभी खाते रोक दिए गए हैं। खाता खोलने के लिए पीड़ित से 20 प्रतिशत अतिरिक्त भुगतान मांगा गया।

इस पर डॉ. रंजन को शक हुआ। उन्होंने सेबी को पत्र भेजकर जांच कराई, जिसमें कम्पनी, कागज़ और पूरा मंच (प्लेटफ़ॉर्म) फर्जी निकला। इसके बाद उन्होंने अपराध शाखा के उपायुक्त को शिकायत दी। कानपुर में इसी तरह के दो और बड़े मामले सामने आए हैं। आजाद नगर निवासी डॉ. प्रवीण सारस्वत से 3,30,40,000 तथा केशवपुरम निवासी डॉ. कीर्ति निधि मान सिंह से 13,80,000 की ठगी की गई है। कुछ दिन पहले वेदांता अस्पताल आर्य नगर के डॉक्टर गोविंद त्रिवेदी के व्हाट्सएप को हैक कर कुछ दिन पहले कई परिचित लोगों से पैसे मांगे गए थे लेकिन मामला पकड़ में आने के बाद साइबर ठगी होने से बच गई थी। इन घटनाओं से स्पष्ट है कि शहर में संगठित ऑनलाइन धोखाधड़ी गिरोह सक्रिय हैं, जो नए-नए तरीकों से लोगों को फंसाकर करोड़ों की ठगी कर रहे हैं।

पुलिस की आमजनों से अपील

पुलिस ने आमजन से अपील की है कि वे अनजान संदेश, कड़ी या निवेश संबंधी किसी भी ऑनलाइन प्रस्ताव पर तुरंत भरोसा न करें। किसी भी वित्तीय सलाह, शेयर कारोबार या निवेश के संबंधी प्रस्ताव को जांचे-परखे बिना न मानें। शक होने पर तुरंत इंटरनेट अपराध प्रकोष्ठ या सहायता नम्बर पर शिकायत दर्ज कराएँ। बढ़ती ऑनलाइन ठगी एक गंभीर चेतावनी है कि सतर्कता ही सुरक्षा है।

.. तो क्या ट्रप की नीतियों से आईआईटी कानपुर के प्लेसमेंट में इस साल आएगी गिरावट

अमेरिका से कम ऑफर की संभावना, यूरोप-गल्फ देशों पर टिकी आईआईटियंस की उम्मीदें

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। आईआईटी कानपुर में अगले सप्ताह नया प्लेसमेंट अभियान शुरू होने जा रहा है, लेकिन इस बार हालात पिछले सालों से चुनौतीपूर्ण दिख रहे हैं। इंजीनियरिंग छात्रों और बीटेक पास युवाओं की नजरें अमेरिकी सरकार की टैरिफ और आव्रजन नीति पर टिकी हुई हैं, क्योंकि इसी वर्ष अमेरिका से आने वाली नौकरियों में भारी कमी के संकेत मिल रहे हैं। पिछले वर्ष आईआईटी कानपुर को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करीब 25 छात्रों के लिए ऑफर मिले थे, मगर इस बार प्री-प्लेसमेंट ट्रेंड कमजोर रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि वैश्विक बाजार में इंजीनियरिंग जॉब्स की कुल संख्या भी इस साल गिर सकती है।

पीएसआईटी के ग्रुप डायरेक्टर प्रो. मनमोहन शुक्ला का कहना है कि अमेरिकी

» एक दिसंबर से शुरू होगा प्लेसमेंट, 250 कंपनियों के शामिल होने की तैयारी, रणनीति में बदलाव

राष्ट्रपति की नई नीतियों का असर दुनिया भर में नौकरी बाजार पर दिख रहा है। उन्होंने बताया कि अमेरिका में एच-1 वीजा और टैरिफ नियमों की समीक्षा चल रही है, जिससे भारतीय इंजीनियरों के लिए अवसर सीमित हो रहे हैं। हालांकि, अमेरिका में अवसर घटने से यूरोप, गल्फ देशों और पूर्वी एशिया में नौकरियां बढ़ने के संकेत मिल रहे हैं। ङ्ख कंपनियों से लेकर बहुराष्ट्रीय फर्में भी फिलहाल इंतजार की स्थिति में हैं, लेकिन भारतङ्कअमेरिका संबंधों में स्थिरता आने पर भर्ती प्रक्रिया तेज हो सकती है। दूसरी ओर

आईआईटी के शिक्षक औपचारिक प्रतिक्रिया नहीं दे रहे, मगर संस्थान ने इस बार प्लेसमेंट रणनीति में कुछ बदलाव किए हैं। एक दिसंबर से शुरू होने वाले अभियान में लगभग 250 कंपनियों के शामिल होने की संभावना जताई जा रही है। 15 दिसंबर तक इन नए बदलावों का असर परिणामों में दिखना शुरू हो सकता है। छात्रों को उम्मीद है कि मौजूदा वैश्विक चुनौतियों के बावजूद घरेलू और विदेशी कंपनियां अच्छी संख्या में अवसर उपलब्ध कराएंगी।

बिल्हौर में आयुष्मान कार्ड के लिए महीने भर का महाअभियान शुरू

25 दिसंबर तक हर दरवाजे दस्तक देगी टीम, प्राथमिकता में वरिष्ठ नागरिक

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। प्रदेश सरकार की सबसे महत्वाकांक्षी स्वास्थ्य सुरक्षा योजना को जन-जन तक पहुंचाने के लिए कानपुर नगर प्रशासन ने शनिवार से एक महीने का कल से विशाल आयुष्मान महाअभियान शुरू कर दिया है। 25 नवम्बर से 25 दिसम्बर तक चलने वाले इस अभियान को अब तक की सबसे व्यापक घर-घर पहुंच वाली कवायद माना जा रहा है। लक्ष्य है कि क्षेत्र का कोई भी पात्र परिवार बिना आयुष्मान कार्ड के न बचे।

मुख्य विकास अधिकारी के निर्देश पर बनी टीमों को गांव-गांव, मोहल्लों और दूरस्थ बस्तियों तक पैदल, बाइक और ई-रिक्शा से पहुँचकर लाभार्थियों की सूची तैयार करने, उनका सत्यापन करने और वहीं पर कार्ड निर्माण कराने का आदेश दिया गया है।अभियान की जिम्मेदारी को मजबूत करने के लिए सरकार ने प्रत्येक ग्राम पंचायत में ग्राम प्रधान को नोडल अधिकारी नामित कर दिया है। सचिव, पंचायत सहायक, लेखा सहायक, आशा कार्यकर्ता और आयुष्मान मित्रों को प्रधानों के साथ मिलकर सौ कवरेज सुनिश्चित करने के लिए लगाया गया है। इसके साथ ही 70 वर्ष से अधिक आयु वाले वरिष्ठ नागरिकों और उन पात्र परिवारों को विशेष प्राथमिकता दी जा रही है, जिनके कार्ड किसी कारणवश अब तक नहीं बन सके थे।

मुनादी से लेकर ई-रिक्शा तक हर माध्यम का उपयोग

ग्रामीण क्षेत्रों में जानकारी अधिकतम लोगों तक पहुँचे। इसके लिए पंचायत सचिवालयों के माइकों को सक्रिय किया गया है। कई गांवों में सुबह-शाम मुनादी कराई जा रही है। प्रचार-प्रसार के जरिए लोगों को

आयुष्मान कार्ड के लाभ के बारे में बताया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग ने पहले ही विस्तृत माइक्रोप्लान जारी कर दिया है। खंड विकास अधिकारी और एडीओ पंचायत को नियमित फील्ड मॉनिटरिंग का दायित्व दिया गया है ताकि अभियान की रफ्तार कम न पड़े।

हजारों परिवारों को सीधा लाभ मिलने की उम्मीद

पिछली बार छूटे हुए कई गांवों और बस्तियों को इस बार विशेष रूप से चिन्हित किया गया है। प्रशासन को उम्मीद है कि सिर्फ बिल्हौर ब्लॉक में ही इस महाअभियान से कई हजार परिवार सीधे लाभान्वित होंगे।सीडीओ कार्यालय ने साफ कर दिया है कि कहीं भी लापरवाही, विलंब या शिकायत मिली तो संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी के खिलाफ तुरंत कार्रवाई की जाएगी।

रोज दो से अधिक गांव कवर करने का टारगेट

बिल्हौर सीएचसी प्रभारी डॉ. धर्मेंद्र राजपूत ने स्वराज इंडिया से बातचीत के दौरान बताया कि तैनात टीमें मौके पर ही पात्रता जांच से लेकर डिजिटल आवेदन और कार्ड निर्गमन तक का पूरा कार्य करेंगी। उन्होंने कहा कि सरकार की मंशा साफ है इलाज के लिए किसी पात्र परिवार को कर्ज़, संकट या लाचारी का सामना न करना पड़े। आयुष्मान कार्ड के जरिए हर परिवार को 5 लाख रुपये तक की स्वास्थ्य सुरक्षा देना प्राथमिक उद्देश्य है। उन्होंने कहा कि हमारा टारगेट है कि हर रोज दो से अधिक गांव कवर करें।

बीआरसी-बिल्हौर में दिव्यांग बच्चों ने स्पोर्ट कॉम्पटीशन में दिखाया दम

प्रतिभा का सम्मानः बढ़िया प्रदर्शन करने वाले बच्चों को किया गया पुरस्कृत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। बुधवार को बीआरसी (ब्लॉक संसाधन केंद्र) बिल्हौर में विशेष आवश्यकता वाले (दिव्यांग) बच्चों के लिए एक भव्य खेलकूद एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में ब्लॉक भर के दिव्यांग बच्चों ने बड़े उत्साह और जोश के साथ भाग लिया और अपनी प्रतिभा का शानदार प्रदर्शन किया।

यह आयोजन इन बच्चों को शिक्षा के साथ-साथ रचनात्मक और शारीरिक गतिविधियों में शामिल होने का मंच प्रदान करने के उद्देश्य से किया गया था। बच्चों ने कई तरह के स्पोर्ट्स और सांस्कृतिक इवेंट्स में अपनी भागीदारी सुनिश्चित की। बच्चों ने गायन और नृत्य की प्रस्तुति देकर अपनी कलात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन किया, जिससे वातावरण में खुशी और उल्लास भर गया। शारीरिक खेल दौड़, कुर्सी दौड़, और टीम भावना को बढ़ावा देने वाली रस्साकसी जैसी प्रतियोगिताओं में बच्चों ने खूब पसीना बहाया।

वहीं सामूहिक खेल फुटबॉल जैसे खेलों में बच्चों ने एक-दूसरे का सहयोग करते हुए खेलने की भावना का परिचय दिया। सबसे रोचक गतिविधियों में से एक छूकर पहचानो रही। इसमें बच्चों को आँखों पर पट्टी बांधकर विभिन्न अनाज (गेहूं, चावल, मूंगफली के दाने, चना, राजमा, छोला, चना दाल, मसूर दाल, आदि) को छूकर पहचानना था। यह गतिविधि बच्चों की स्पर्श संवेदी क्षमता को परखने और बढ़ाने पर केंद्रित थी।

बीआरसी के अधिकारियों ने बताया कि इस तरह की प्रतियोगिताओं का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग बच्चों को सामान्य जीवन की गतिविधियों से जोड़ना, उनमें आत्मविश्वास पैदा करना और उनकी छिपी हुई प्रतिभाओं को सामने लाना है। सभी प्रतिभागियों को उनके उत्साहवर्धन के लिए पुरस्कृत किया गया।

स्थानीय समुदाय और अभिभावकों ने भी इस पहल की सराहना की और बच्चों का हौसला बढ़ाया। आयोजन की सफलता ने यह सिद्ध कर दिया कि सही अवसर और प्रोत्साहन मिलने पर ये बच्चे किसी भी क्षेत्र में पीछे नहीं रह सकते। खंड शिक्षा अधिकारी रवि कुमार सिंह ने बताया कि परिषदीय स्कूलों में पंजीकृत बच्चों के लिए इस तरह की प्रतियोगिताएं प्रतिवर्ष आयोजित की जाती हैं।

बिल्हौर बार एसोसिएशन में गूंजे संवैधानिक मूल्यों के स्वर

अध्यक्ष व महामंत्री संग अधिवक्ताओं ने किया व्यापक आयोजन

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो।

बिल्हौर (कानपुर)। संविधान दिवस पर बुधवार को बिल्हौर बार एसोसिएशन का सभागार देशभक्ति और संवैधानिक मूल्यों की ध्वनि से गूंज उठा। एसोसिएशन के अध्यक्ष बृजेश कटियार और महामंत्री सौरभ कटियार के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने एक विस्तृत कार्यक्रम आयोजित किया, जिसमें संविधान की प्रस्तावना से लेकर न्यायिक दायित्वों पर विस्तार से चर्चा हुई।

कार्यक्रम की शुरुआत बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण से हुई। अधिवक्ताओं ने कहा कि बाबा साहब ने भारतीय समाज को समानता, स्वतंत्रता और बंधुता के सूत्र में पिरोने वाला संविधान देकर आधुनिक भारत की मजबूत नींव रखी। उनके विचार आज भी देश की न्याय व्यवस्था और लोकतांत्रिक ढांचे को दिशा देते हैं। सभागार में मौजूद सभी अधिवक्ताओं ने सामूहिक रूप से संविधान की प्रस्तावना का पाठ करते हुए यह संकल्प लिया कि वे न्यायपालिका की गरिमा को बनाए रखते हुए समाज के अंतिम व्यक्ति तक न्याय पहुँचाने के लिए प्रतिबद्ध रहेंगे। वक्ताओं ने युवा अधिवक्ताओं को संविधान के अध्ययन को दैनिक अभ्यास का हिस्सा बनाने की सलाह दी और कहा कि एक वकील के लिए संविधान का ज्ञान सर्वोच्च हथियार है। कार्यक्रम में कानून व्यवस्था, नागरिक अधिकारों की सुरक्षा और मौलिक कर्तव्यों पर भी चर्चा हुई। अधिवक्ताओं ने कहा कि जिस देश का नागरिक अपने संविधान का सम्मान करता है, वही राष्ट्र मजबूत और समृद्ध बनता है।

बार एसोसिएशन परिसर में पूरे दिन संविधान दिवस की गरिमा और उत्साह का माहौल बना रहा। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे और उन्होंने संवैधानिक आदर्शों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।

सम्पादकीय

शांति सैनिकों को श्रद्धांजलि एक सुधार

भले ही श्रीलंकाई संकट के समाधान हेतु भारतीय शांति सेना को श्रीलंका भेजा जाना तत्कालीन सरकार का फैसला रहा हो, लेकिन वास्तव में भारतीय सैनिक राष्ट्र के हितों और सैन्य दायित्वों के लिये ही लड़े थे। इस फैसले का उद्देश्य श्रीलंकाई तमिलों के हितों की रक्षा और उनके न्यायसंगत पुनर्वास के लिये पहल करना भी रहा है। लेकिन यह भी एक हकीकत है कि भारतीय शांति सेना यानी आईपीकेएफ के पूर्व सैनिकों में इस बात को लेकर लंबे समय से रोष व्याप्त रहा है कि आईपीकेएफ सैनिकों के बलिदान को उचित सम्मान नहीं दिया गया। अब सरकार व सेना ने इस कमी को पूरा करने की दिशा में कम से कम एक पहल तो की है। सेना प्रमुख जनरल उपेंद्र द्विवेदी द्वारा राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर परमवीर चक्र विजेता मेजर रामास्वामी परमेश्वरन को उनके बलिदान दिवस पर श्रद्धांजलि अर्पित करना, इस दिशा में एक महत्वपूर्ण क्षण था। देश के रक्षामंत्री राजनाथ सिंह ने भी इस बाबत श्रद्धांजलि संदेश प्रेषित किया है। भले ही शीर्ष अधिकारियों द्वारा की गई यह पहल एक प्रतीकात्मक सुधार हो, लेकिन यह सही दिशा में उठाया गया सार्थक कदम है। हालांकि देर से ही सही, ये प्रयास श्रीलंका में ऑपरेशन पवन के दौरान शहीद हुए 1,171 भारतीय सैनिकों को उचित सम्मान देने में रही एक कमी को दूर करने का प्रयास कहा जा सकता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि इस युद्ध में करीब तीन हजार से ज्यादा सैनिक घायल भी हुए थे। इससे पूर्व कई वीर सैनिकों को वीरता पदक से सम्मानित भी किया जा चुका है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि कोलंबो में भारतीय शांति रक्षक सेना और पलाली में 10-पैरा के शहीदों के लिये स्मारक का निर्माण किया गया था।

यह विडंबना ही है कि आईपीकेएफ के पूर्व सैनिक, शहीदों की विधवाएं और उनके परिजन राष्ट्रीय युद्ध स्मारक पर निजी स्तर पर स्मरणोत्सव आयोजित करते रहे हैं। निश्चित ही देश के हितों के लिये चलाये गए किसी भी सैन्य अभियान में शहीद हुए सैनिकों को सामान्य युद्ध में शहीद हुए सैनिकों की तरह पर्याप्त सम्मान मिलना चाहिए। दरअसल, ऑपरेशन पवन में शहीद हुए सैनिकों के परिजन और युद्ध में भाग लेने वाले जवान भी उन्हें पर्याप्त सम्मान दिए जाने की आस लंबे समय से रखते रहे हैं। वर्षों से उनकी मांग रही है कि साल 1971 में बांग्लादेश के मुक्ति संग्राम और वर्ष 1999 में हुए कारगिल युद्ध के शहीदों की याद में मनाये जाने वाले खास दिनों की तरह 'ऑपरेशन पवन' की याद में भी एक विशेष दिन की घोषणा की जानी चाहिए। वहीं दूसरी ओर शहीद सैनिकों के परिजनों की एक टीस उन्हें दशकों से सालती रही है। चूंकि ऑपरेशन पवन में शहीद हुए कई सैनिकों का अंतिम संस्कार या दफनाने की प्रक्रिया विदेशी धरती पर पूरी हुई थी, इसलिए उनके परिजन शहीद सैनिकों के अवशेषों को वापस भारत लाने की नीति को सुव्यवस्थित करने की मांग करते रहे हैं। वे एक ऐसे आयोग के गठन की भी मांग करते रहे हैं जो शहीद सैनिकों के पार्थिव अवशेष को वापस भारत लाने की नीति को तार्किक बना सके। उनकी मांग रही है कि उन अवशेषों को भारत लाकर आईपीकेएफ का एक स्मारक बनाकर, उसमें सम्मान के साथ स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

आचरण का हिस्सा बने संविधान की भावना

ज्योति मल्होत्रा

जब हम समता की बात करें तो वह एक भारतीय समाज का उदाहरण हो; जब हम स्वतंत्रता की बात करें तो उसमें स्वतंत्रता के सारे प्रतिमान दृष्टिगोचर होते हों, जब हम न्याय की बात करें तो वह हर क्षेत्र में...जब हम समता की बात करें तो वह एक भारतीय समाज का उदाहरण हो; जब हम स्वतंत्रता की बात करें तो उसमें स्वतंत्रता के सारे प्रतिमान दृष्टिगोचर होते हों, जब हम न्याय की बात करें तो वह हर क्षेत्र में हर भारतीय को मिलने वाला न्याय हो। तब, और सिर्फ तब, हम सही अर्थों में संविधान दिवस मनाने के अधिकारी होंगे।

पंद्रह अगस्त और छब्बीस जनवरी ऐसी दो तिथियां हैं जब तिरंगा लहरा कर अपना देश-प्रेम प्रकट करना हमें ज़रूरी लगता है। इसमें पहली तिथि (15 अगस्त, 1947) तो वह है जब हमारा देश स्वतंत्र हुआ था और दूसरी (26 जनवरी, 1950) हमें अपने लिए एक संविधान बनाने की याद दिलाती है। हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा लिखित संविधान है, जिसके अनुसार हमने अपना जीवन संचालित करने का संकल्प किया था। इसी संदर्भ में एक तिथि और भी है जो हमें अपने संविधान के प्रति निष्ठा की याद दिलाती है—वह तिथि है 26 नवम्बर। वर्ष 1949 में इसी दिन हमारी संविधान सभा ने भारत के संविधान को आत्मार्पित किया था, जो दो माह बाद देश पर लागू हुआ। हमारे संविधान के प्रमुख शिल्पी माने जाने वाले बाबा साहेब अम्बेडकर की 126वीं जयंती पर, दस साल पहले, भारत सरकार ने 26 नवम्बर को संविधान-दिवस के रूप में मनाने का निर्णय किया। तब से हर साल इस दिन कृतज्ञ राष्ट्र अपने संविधान-निर्माताओं को याद करता है, और यह संकल्प दुहराता है कि समता, स्वतंत्रता, न्याय और बंधुता के आधार पर एक नया समाज बनायेंगे। यह भी शपथ ली जाती है कि हम सांविधानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए पूरी निष्ठा के साथ काम करेंगे। पर क्या हम यह काम पूरी ईमानदारी से कर रहे हैं?

हमारा संविधान हमें सिखाता है कि भारत का हर नागरिक, चाहे वह किसी भी धर्म, जाति, वर्ण, वर्ग का क्यों न हो, समान है। समता के इस सिद्धांत का मतलब है भारतीय गणतंत्र का हर नागरिक संविधान की दृष्टि में किसी अन्य से किसी भी तरह कमतर नहीं है। सबके अधिकार बराबर हैं— और सबके कर्तव्य भी। इस समता के अभाव में न स्वतंत्रता का कुछ अर्थ रह जाता है और न ही न्याय और बंधुता का। अब हमें अपने आप से यह पूछना है कि समता के इस मानदण्ड पर हम कितने खरे उतरते हैं। जिस जनतांत्रिक व्यवस्था को हमने अपने लिए स्वीकारा है उसमें मतदान का बहुत व्यापक अर्थ है, और बहुत बड़ा अर्थ है।

मतदान के द्वारा हम न केवल उनका चुनाव करते हैं जो हमारा प्रतिनिधित्व अथवा नेतृत्व करते हैं, बल्कि यह भी बताते हैं कि हम न्याय और बंधुता के पक्ष में खड़े है; हम सिर्फ अपने ही हित के लिए नहीं, अपने ही जैसे दूसरे नागरिकों के कल्याण के बारे में भी सोचते हैं। मतदान वस्तुत- व्यक्तियों का नहीं, एक व्यवस्था का चुनाव है। यह बात समझने और स्वीकारने के बाद हमें यह सोचना है कि मतदान केंद्र पर जाकर हम जो वोट डाल आये हैं, क्या वह उन आदर्शों और मूल्यों के पक्ष में हुआ है या फिर अपने स्वार्थों और अपनी अज्ञानता के चलते हम कोई घटिया समझौता कर आये हैं? ऐसा कोई भी समझौता किसी अपराध से कम नहीं होता। इसलिए, पेटी में वोट डालने अथवा मशीन का बटन दबाने से पहले जागरूक मतदाता को दस बार सोचना चाहिए कि उसका यह कार्य उस संविधान के अनुरूप है या नहीं जिसने हमें मतदान का अधिकार दिया है?बहुत अच्छा है हमारा संविधान। एक पूरा जीवन-दर्शन झलकता है इसमें। हमारे संविधान-निर्माताओं ने हर बात को बड़ी गहराई और विस्तार से सोचा है।

भारतीय संस्कृति में निहित कर्तव्यबोध की अभिव्यक्ति

श्रीमद्भगवद्गीता की नैतिक चेतना

ज्वाला सिंह दास

स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अधिकांश स्वतंत्रता सेनानियों ने नैतिक राजनीति का जो प्रतिमान स्थापित किया था उसका केंद्र-बिंदु कर्तव्य, आत्मानुशासन व लोककल्याण था और वह गीता-दृष्टि से ही अनुप्राणित था।छब्बीस नवंबर का दिन भारतीय गणतंत्र के इतिहास में केवल संविधान अंगीकरण का उत्सव भर नहीं है, यह उन मूलभूत मूल्यों के पुनर्स्मरण का अवसर भी है, जिन पर हमारे लोकतंत्र की आत्मा टिकी हुई है।

भारतीय संविधान केवल विधिक प्रावधानों का दस्तावेज़ नहीं है, बल्कि एक नैतिक संकल्प है... एक ऐसी मूल्य-व्यवस्था का घोषणापत्र है जो देश, समाज और व्यक्ति के संबंधों को संतुलन, न्याय और कर्तव्य के ढांचे में देखती है। इसी संदर्भ में यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि श्रीमद्भगवद्गीता भारतीय संविधान की नैतिक चेतना का आधार-स्तंभ है। गीता का यह प्रभाव प्रत्यक्ष नहीं, बल्कि दार्शनिक और नैतिक स्तर पर है। वह भारतीय मानस में सदियों से प्रवाहित उस दृष्टि का संहिताबद्ध रूप है, जिसने संविधान निर्माताओं की मूल्य-चेतना को आकार दिया। संविधान की प्रस्तावना में 'न्याय', 'स्वतंत्रता', 'समानता' और 'बंधुत्व' जैसे शब्द केवल विधिक संकल्प नहीं हैं, बल्कि नैतिक मूल्यों का दार्शनिक प्रतिपादन हैं। यह मूल्य किसी बाहरी प्रभाव से नहीं आए, वे भारतीय परंपरा की लंबी साधना में विकसित हुए हैं। संविधान सभा की चर्चाओं में कई सदस्यों ने बार-बार यह रेखांकित किया कि

संविधान की आत्मा को समझने के लिए भारतीय संस्कृति के मूल में निहित 'कर्तव्य-बोध' को देखना आवश्यक है।

गीता का यह विशिष्ट योगदान है कि वह 'कर्तव्य' को किसी पुरस्कार, निजी-लाभ या भावनात्मक दबाव से ऊपर रखकर उसे समाज के प्रति उत्तरदायित्व के रूप में स्थापित करती है। यही दृष्टि आगे चलकर संविधान के 'भाग-4क' में नागरिकों के मूलभूत कर्तव्यों के रूप में प्रकट होती है। यद्यपि नागरिकों के मूलभूत कर्तव्यों को संविधान के बयालीसवें संशोधन अधिनियम, 1976 द्वारा बाद में जोड़ा गया था तथा इसे 3 जनवरी 1977 से लागू किया गया था। स्वतंत्रता आंदोलन के दौरान अधिकांश स्वतंत्रता सेनानियों ने नैतिक राजनीति का जो प्रतिमान स्थापित किया था उसका केंद्र-बिंदु कर्तव्य, आत्मानुशासन व लोककल्याण था और वह गीता-दृष्टि से ही अनुप्राणित था। यहां ध्यान देने योग्य महत्वपूर्ण बात यह है कि यही नैतिक विचार संविधान सभा के अधिकतर सदस्यों का भी मार्गदर्शन करता था।

जब संविधान में मूलभूत कर्तव्यों को शामिल किया गया, तो उसके पीछे यही भारतीय दृष्टि थी कि अधिकार और कर्तव्य परस्पर पूरक हैं। गीता में यह नैतिक आग्रह स्पष्ट दिखाई देता है कि बिना कर्तव्य-पालन के कोई व्यवस्था स्थिर नहीं रह सकती। संविधान भी यही संदेश देता है कि नागरिक के अधिकार उसकी कर्तव्य-निष्ठा से सशक्त होते हैं, कमज़ोर नहीं।

भारतीय संवैधानिक लोकतंत्र के शासन का आधार केवल अधिकारों की बहुलता नहीं है, बल्कि संतुलन की व्यवस्था है। न्यायपालिका, विधायिका और कार्यपालिका की त्रि-संरचना संतुलन और विवेक पर आधारित है। गीता में जो जीवन-दृष्टि मिलती है, वह अतिरेक व अतिवाद से बचने और मध्यमार्गीय बुद्धि को अपनाने की शिक्षा देती है। संविधान में 'युक्तियुक्त विवेक', 'नैतिकता', 'सार्वजनिक व्यवस्था', 'विवेकपूर्ण संतुलन' जैसे सिद्धांत इसी नैतिक परंपरा से प्रेरित जान पड़ते हैं। यह दृष्टि भारतीय संविधान को केवल कानूनी दस्तावेज़ नहीं रहने देती, बल्कि उसे मूल्य-निष्ठ शासन की आधारशिला बनाती है। भारतीय परंपरा में समाज के कमजोर, पीड़ित, वंचित और हाशिए पर खड़े व्यक्ति की सुरक्षा का दायित्व हमेशा से शासन पर रहा है।

रतनलाल नगर में जैना पैलेस की जमीन पर माफियाओं की जुगलबंदी

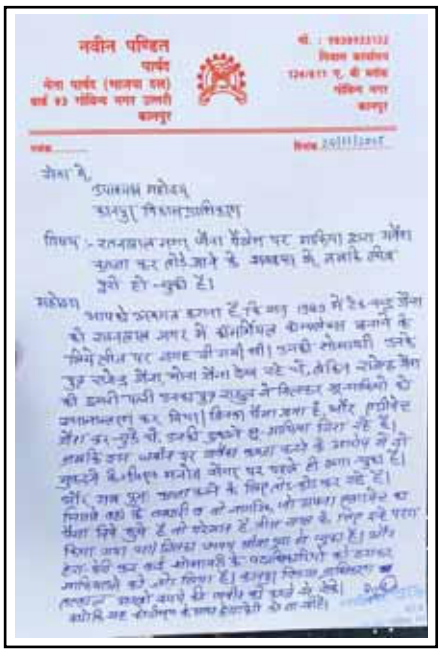

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। रतनलाल नगर जैना पैलेस की अरबों रुपये मूल्य की भूमि पर अवैध कब्जा और दुकानों की जबरन तोड़फोड़ के मामले ने तूल पकड़ लिया है। स्थानीय व्यापारियों व नागरिकों के साथ अब वरिष्ठ पार्षद नवीन पंडित भी खुलकर सामने आ गए हैं। उन्होंने कानपुर विकास प्राधिकरण में औपचारिक शिकायत दर्ज कर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कठोर कार्रवाई की मांग की है।शिकायत में कहा गया है

» वर्ष 1989 में टेक चन्द्र जैना को वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स निर्माण हेतु लीज पर दी गई थी भूमि पर भू-माफिया सक्रिय

» कब्जे को लेकर विवाद गहराया, वरिष्ठ पार्षद नवीन पंडित ने केडीए वीसी से की शिकायत

कि वर्ष 1989 में टेक चन्द्र जैना को वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स निर्माण हेतु लीज पर दी गई भूमि पर भू-माफिया संगठित रूप से कब्जा जमाने में जुटे हैं। आरोप है कि सोसायटी संचालन संभाल रहे राजेन्द्र जैना, मोना जैना के बाद आंतरिक मिलीभगत से भूमि को माफिया गिरोह के हाथों स्थानांतरित किया गया।व्यापारियों का कहना है कि दुकान पाने वालों ने पूरी राशि जमा कर समझौते तक कर लिए थे, लेकिन अब उनकी दुकानों को जबरन गिराया जा रहा है। वहीं, इस भूमि पर अवैध कब्जे के मामले में केडीए ने मनोज सेंगर पर पहले भी दो मुकदमे दर्ज हो चुके हैं, फिर भी कब्जे की कोशिशें और तोड़फोड़ जारी है। पार्षद नवीन पंडित का कहना है कि तीस वर्ष की लीज अवधि पूर्ण हो चुकी है और सोसायटी के पदाधिकारियों को हटाकर माफियाओं को शामिल कर धोखाधड़ी की गई है। इससे सैकड़ों व्यापारी व नागरिक भय और असुरक्षा में हैं। उन्होंने कहा कि प्राधिकरण से पूरे प्रकरण की उच्चस्तरीय जांच, तोड़फोड़ पर तत्काल रोक और भूमि घोटाले में शामिल सभी जिम्मेदार व्यक्तियों पर सख्त कार्रवाई की मांग की है।

कोहरे से बिगड़ी ट्रेनों की चाल, इंतजार में यात्रियों का हाल-बेहाल

» 24 से अधिक ट्रेनें निरस्त, विशेष ट्रेनें भी घंटों लेट

» परेशान यात्रियों का एक्स पर रेलवे के खिलाफ गुस्सा

» प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर भारत में कोहरे का असर रेलवे ट्रैफिक पर लगातार बढ़ता जा रहा है। स्पेशल और लंबी दूरी की अधिकांश ट्रेनें पांच से 15 घंटे तक लेट हो रही हैं, जिसकी वजह से यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आरक्षित टिकट वाले यात्रियों को घंटों तक प्लेटफॉर्म पर इंतजार करना पड़ रहा है, वहीं दैनिक यात्रियों का समय पर गंतव्य तक पहुंचना लगभग असंभव हो गया है। रेलवे का दावा है कि कोहरे के चलते ट्रेनों की गति में भारी कमी करनी पड़ रही है, इसलिए संचालन प्रभावित है। इसी कारण अब तक 24 से अधिक ट्रेनों को निरस्त

किया जा चुका है। जिन रूटों पर नियमित ट्रेनें रद्द की गई हैं, वहां चलाई जा रही विशेष ट्रेनें भी घंटों विलंबित चल रही हैं।

ट्रेनों की देरी पर यात्रियों ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर नाराजगी जाहिर की। यात्री महेंद्र कुशवाहा ने बताया कि वह बच्चे की दवा लेने गोविंदपुरी पहुंचना चाहते थे, लेकिन उनकी ट्रेन पनकी से आगे नहीं बढ़ी और एक घंटे तक खड़ी रही। वहीं ऐनुल हसन ने पोस्ट किया कि प्रयागराज छिवकी एक्सप्रेस पांच घंटे लेट है और वह शादी में देर से पहुंचेंगे, जिससे उन्हें भारी नुकसान होगा। यात्रियों का कहना है कि कई-कई घंटे इंतजार करना पड़ रहा है और जरूरी काम प्रभावित हो रहे हैं।

इतनी लेट चल रही ट्रेनें

04098 नई दिल्ली-हसनपुर रोड स्पेशल 15 घंटे
02563 बरौनी-नई दिल्ली स्पेशल 9 घंटे
04453 मानसी-नई दिल्ली स्पेशल भी 9 घंटे
02569 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल 6 घंटे और
0449 दरभंगा-नई दिल्ली स्पेशल 12 घंटे
04093 पटना-हजरत निजामुद्दीन स्पेशल 6 घंटे

इंटरलाकिंग में बदलने का कार्य जारी

फिरोजपुर मंडल के साहनेवाल-अमृतसर सेक्शन के हमीरा स्टेशन पर सिग्नल गियर को इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग में बदलने का कार्य जारी है।

इस तकनीकी बदलाव के कारण दो ट्रेनों को आंशिक रूप से निरस्त करने का निर्णय लिया गया है। ट्रेन संख्या 22445 कानपुर सेंट्रलङ्कअमृतसर स्पेशल पांच जनवरी 2026 को केवल जालंधर सिटी तक जाएगी, जबकि ट्रेन संख्या 22446 अमृतसर-कानपुर सेंट्रल छह जनवरी 2026 को जालंधर सिटी से अपनी यात्रा शुरू करेगी।

अनियंत्रित

लखीमपुर खीरी में दर्दनाक हादसा

नदी में गिरी कार, डूबने से पांच लोगों की मौत, चालक हुआ घायल

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखीमपुर। लखीमपुर खीरी में दर्दनाक हादसा हुआ है। एक कार बेकाबू होकर नदी में गिर गई। हादसे में कार में सवार पांच लोगों की डूबने से मौत हो गई, जबकि चालक घायल हुआ है। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

उत्तर प्रदेश के लखीमपुर खीरी जनपद में मंगलवार आधी रात के बाद एक भयावह सड़क हादसा हुआ, एक कार अनियंत्रित होकर नदी में जा गिरी। इस हादसे में कार में सवार छह लोगों में से पांच की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि चालक घायल है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

पढुआ थाना क्षेत्र के गिरजापुरी बैराज से पहले स्थित शारदा सायफन के पास देर रात दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हो गया। शादी समारोह से वापस लौट रही एक ऑल्टो कार अनियंत्रित होकर शारदा सायफन में जा गिरी, जिससे कार में सवार पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि चालक को गंभीर हालत में बचा लिया गया। हादसा सोमवार देर रात करीब 12 बजे हुआ।

पढुआ थाना प्रभारी अभिषेक सिंह के मुताबिक, कार में सवार जितेंद्र पुत्र विपिन बिहारी निवासी घाघरा बैराज, घनश्याम पुत्र बल्लू निवासी घाघरा बैराज, लालजी पुत्र मेवा लाल निवासी सीशियन पुरवा, अजीमुल्ला पुत्र अज्ञात निवासी गिरजापुरी, सुरेंद्र पुत्र विशुसोखा निवासी रामवृक्ष पुरवा थाना सुजौली जनपद बहराइच, लखीमपुर से शादी निपटाकर कार से बहराइच जनपद की तरफ वापस जा रहे थे। रास्ते में शारदा सायफन के पास चालक को गाड़ी चलाते समय नींद की झपकी आने से वाहन नियंत्रण खो बैठा और सीधे सायफन में जा गिरा।

सूचना मिलते ही पढुआ प्रभारी थानाध्यक्ष अभिषेक सिंह दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और रेस्क्यू अभियान चलाया। कार चालक बबलू पुत्र राजेश निवासी गिरजापुरी थाना सुजौली जनपद बहराइच को पुलिस ने बाहर निकालकर प्राथमिक उपचार के लिए भेजा, जहां उसकी हालत खतरे से बाहर बताई जा रही है। जबकि कार में सवार अन्य पांच लोगों की नदी में डूबने से मौत हो गई। पुलिस ने शवों को बाहर निकालकर पोस्टमार्टम के लिए लखीमपुर भेजा।

पुलिस मामले की गहन जांच कर रही

पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। इस दर्दनाक हादसे के कारणों का पता लगाने के लिए पुलिस मामले की गहन जांच कर रही है।

प्रारंभिक तौर पर कार के अनियंत्रित होने को दुर्घटना का कारण माना जा रहा है, लेकिन इसके पीछे की वजहों की पड़ताल की जा रही है।

स्थानीय प्रशासन ने पीड़ितों के परिवारों के प्रति गहरा दुख व्यक्त किया है और हर संभव सहायता का आश्वासन दिया है।

20 साल से लंबित केस पर हाईकोर्ट गुस्सा, 73 वर्षीय आरोपी को मिली राहत

» 13 साल में एक भी गवाह पेश नहीं, हाई कोर्ट ने अभियोजन को लगाई फटकार

»एक महीने में ट्रायल पूरा करने का आदेश, वरना होगी अनुशासनात्मक कार्रवाई

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट ने एक ट्रायल कोर्ट की कड़ी खिंचाई करते हुए कहा कि 20 साल पुराने क्रिमिनल केस को अनावश्यक रूप से लंबा खींचकर 73 वर्षीय आरोपी को परेशान किया गया है।

न्यायमूर्ति विवेक कुमार सिंह ने श्रीश कुमार मालवीय की अर्जी पर सुनवाई करते हुए कहा कि न्यायपालिका भी जनता के प्रति उतनी ही जवाबदेह है, जितना कि राज्य का प्रत्येक अन्य अंग। कोर्ट ने रिकॉर्ड देखने के बाद यह पाया कि पिछले 13 वर्षों से आरोपी हर सुनवाई पर पेश हो रहा है, जबकि प्रॉसिक्यूशन एक भी गवाह नहीं ला सका।

कोर्ट ने इसे ट्रायल कोर्ट की सुस्ती और गैर-जवाबदेही करार दिया और कहा कि पुराने मामलों को जल्द निपटाने संबंधी हाई कोर्ट और सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों की पूरी तरह अनदेखी की गई है।

हाई कोर्ट ने फटकार लगाते हुए स्पष्ट किया कि स्पीडी ट्रायल केवल अदालत की प्रक्रिया से जुड़ा अधिकार नहीं, बल्कि जांच में देरी भी आरोपी के मौलिक अधिकार का उल्लंघन माना जाएगा।

न्यायालय ने आदेश दिया कि रिप्रेजेंटेशन ऑफ पीपल्स एक्ट, 1951 की धारा 129 के तहत 2005 से लंबित यह केस ट्रायल कोर्ट एक माह के भीतर हर हाल में समाप्त करे। अदालत ने चेतावनी दी कि यदि ऐसा नहीं हुआ, तो संबंधित प्रेसीडिंग ऑफिसर को अनुशासनात्मक कार्रवाई का सामना करना पड़ेगा। कोर्ट ने कहा कि महज छह महीने की अधिकतम सजा वाले मामले को 20 वर्षों तक खींचना न्यायिक प्रक्रिया का मज़ाक बनाने जैसा है और इससे एक वरिष्ठ नागरिक को अनावश्यक मानसिक पीड़ा झेलनी पड़ी है।

'जनता की समस्या का समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता'

पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने सुनी जन समस्याएँ, त्वरित व पारदर्शी निस्तारण के दिए सख्त निर्देश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। आम जनता की शिकायतों के त्वरित समाधान को लेकर कमिश्नरेट पुलिस लगातार प्रयासरत है। इसी क्रम में पुलिस आयुक्त जोगेंद्र कुमार ने अपने नियमित जनसुनवाई कार्यक्रम के दौरान शुक्रवार को बड़ी संख्या में पहुंचे फरियादियों की समस्याएँ सुनीं।

जनसुनवाई में आए लोगों की बातों को उन्होंने गंभीरता, संवेदनशीलता और ध्यानपूर्वक सुना। प्रत्येक शिकायत का रिकॉर्ड खंगालते हुए पुलिस आयुक्त ने संबंधित राजपत्रित अधिकारियों व थाना प्रभारियों को स्पष्ट व कठोर निर्देश दिए कि हर प्रकरण का निस्तारण तय समय सीमा के भीतर, निष्पक्ष, पारदर्शी और गुणवत्तापूर्ण तरीके से किया जाए।

उन्होंने कहा कि जनता की समस्या का समाधान पुलिस की सर्वोच्च प्राथमिकता है और किसी भी स्तर पर लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। पुलिस आयुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि शिकायतों के निस्तारण में पारदर्शिता और परिणाम प्रमुख होने चाहिए, जिससे आम जनता का पुलिस पर विश्वास और मजबूत हो।

उन्होंने आश्वस्त किया कि प्रयागराज पुलिस आम जन की सुरक्षा, सुविधा और न्याय के लिए पूर्णतः प्रतिबद्ध है तथा इसी भावना के साथ जनसुनवाई का क्रम लगातार जारी रहेगा।

झाड़ियों में संदिग्ध हालात में मिला गल्ला व्यापारी का शव, हत्या की आशंका

» अपर पुलिस अधीक्षक ने लिया घटनास्थल का जायजा, पुलिस जांच में जुटी

» बैंक में पैसे जमा करने की बात कह कर घर से निकला था गल्ला कारोबारी

सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। मृतक की पहचान अरशदपुर निवासी 28 वर्षीय गल्ला व्यापारी राजाबाबू के रूप में हुई है।

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। शिवली कोतवाली क्षेत्र के भेवान और केसरी निवादा के बीच रामगंगा नहर पटरी पर स्थित एक मजार के पीछे मंगलवार को सुबह एक युवक का संदिग्ध परिस्थितियों में शव पड़ा मिला। घटना से इलाके में सनसनी फैल गई।

राजाबाबू सोमवार सुबह करीब 11 बजे घर से 70 हजार रुपए लेकर निकले थे। शिवली में उसकी मुलाकात चचेरे भाई अजीत कुमार से हुई।अजीत ने उसे 80 हजार रुपए दिए थे। राजाबाबू को कुल डेढ़ लाख रुपए बैंक में जमा करने थे। इसके बाद वह वहां से चला गया। मंगलवार सुबह करीब 10 बजे केसरी निवादा और भेवान गांव के बीच रामगंगा नहर पटरी पर स्थित मजार के पीछे झाड़ियों में उसका शव और बाइक पड़ी मिली। घटना की जानकारी होने पर इलाके में सनसनी फैल गई।

सूचना मिलते ही कोतवाल प्रवीण कुमार पुलिस टीम के साथ तत्काल मौके पर पहुंचे और बाइक के नंबर से मृतक के परिजनों को सूचना दी।सूचना मिलने पर मृतक के पिता संतराम वर्मा और अन्य परिजन मौके पर पहुंचे। घटनास्थल पर अंग्रेजी शराब के चार खाली क्वार्टर,तीन गिलास और खून से सने ब्लेड के टुकड़े मिले। मृतक के शरीर में कई गहरे घाव थे। उसके सीने पर खून से सना एक सुसाइड नोट भी चिपका हुआ था। घटना की सूचना मिलने पर अपर पुलिस अधीक्षक राजेश पांडेय ने भी घटनास्थल पहुंचकर जांच पड़ताल की। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया है। पिता संतराम,मां सुखदेवी,बहन पूनम,भाई प्रमोद और चचेरे भाई शिवकांत का रो रो कर बुरा हाल था। कोतवाल प्रवीण कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

सरकारी शराब दुकान में हुआ फर्जीवाड़ा

कूट रचित दस्तावेज़ों से हासिल की थी दुकान, गंभीर धाराओं में मामला दर्ज

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। सरकारी शराब दुकान के आवंटन में फर्जीवाड़े का बड़ा मामला सामने आया है। आबकारी विभाग की शिकायत पर कूट रचित दस्तावेज़ तैयार कर दुकान हासिल करने वाले बलबीर सिंह के खिलाफ गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। इनमें 7 वर्ष, 10 वर्ष से लेकर आजीवन कारावास तक की सजा का प्रावधान है। मामले के खुलासे के बाद अब उसकी गिरफ्तारी का इंतजार है।सूत्रों के अनुसार, अलीयापुर स्थित सरकारी शराब दुकान के आवंटन में भारी गड़बड़ी की गई थी। जांच में सामने आया कि अनुज्ञापी बलबीर सिंह का पुलिस सत्यापन रिपोर्ट में कैरेक्टर सर्टिफिकेट रिजेक्ट हो गया था। इसके बाद उसने अवैध रास्ता अपनाते हुए विवेक कुमार के चरित्र प्रमाणपत्र को एडिट कर अपनी फोटो, नाम व पता लगा दिया। इस तरह कूट रचित दस्तावेज तैयार कर उसने आवेदन फाइल में लगाकर दुकान का आवंटन करा लिया।

सबसे बड़ा सवाल यह है कि इतना बड़ा फर्जीवाड़ा अकेले कैसे हो गया? शक की सुई सीधे आबकारी विभाग की ओर जाती है। आरोप है कि विभाग की मिलीभगत से दस्तावेजों की ठीक से जांच नहीं की गई और फर्जी कागजों पर दुकान आवंटित कर दी गई। यह विभाग की कार्यप्रणाली पर गंभीर सवाल खड़े करता है, जबकि सरकार की जीरो टॉलरेंस नीति सिर्फ कागजों में सिमटकर रह गई है।जिले में कई और सरकारी शराब दुकानों में भी इसी तरह के फर्जीवाड़े की आशंका जताई जा रही है। विभाग का काम दस्तावेजों का सत्यापन करना था, लेकिन लापरवाही (या मिलीभगत) के चलते फर्जीवाड़े का मकड़जाल फैलता गया। अब पूरे सिस्टम की विश्वसनीयता दांव पर है।

आबकारी निरीक्षक रामवीर सिंह द्वारा कराई गई शिकायत के आधार पर कूट रचित दस्तावेजों और धोखाधड़ी के गंभीर आरोपों में मामला दर्ज हो चुका है। पुलिस आगे की कानूनी कार्रवाई में जुटी है, जबकि लोग यह सवाल पूछ रहे हैं कि आखिर जिम्मेदारी तय कब होगी?

संविधान दिवस पर बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के चित्र पर माल्यार्पण

» विद्यालयों में कार्यक्रम का आयोजन कर बाबा साहब के जीवन पर डाला गया प्रकाश

»स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। तहसील भोगनीपुर के ब्लॉक अमरौधा के अंतर्गत आने वाले प्राथमिक विद्यालय बिल्हापुर व अन्य सभी विद्यालयों व सरकारी विभागों में संविधान दिवस आयोजन किया गया सर्वप्रथम बाबा साहब भीमराव अंबेडकर जी की फोटो पर माल्यार्पण किया गया तथा विद्यालयों में बच्चों को संविधान दिवस के महत्व को बताया गया। बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के जीवन पर प्रकाश डालते हुए उनके जैसा बनने को बताया गया संविधान दिवस, 26 नवंबर को मनाया जाता है क्योंकि इसी दिन 1949 में भारतीय संविधान सभा ने औपचारिक रूप से संविधान को अंगीकृत किया था। इसे 26 जनवरी, 1950 को लागू किया गया, जिससे भारत एक संप्रभु, लोकतांत्रिक गणराज्य के रूप में स्थापित हुआ।

भारत सरकार ने 2015 में 26 नवंबर को संविधान दिवस के रूप में घोषित किया था, ताकि 1949 में संविधान को अंगीकृत किए जाने का सम्मान किया जा सके। तब से, हर साल इस दिन राष्ट्र संविधान को अपनाने का जश्न मनाता है। संविधान के निर्माण का कार्य 1946 में शुरू हुआ था। संविधान सभा के अध्यक्ष भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद थे, जबकि संविधान की प्रारूप समिति के अध्यक्ष डॉ. भीमराव आंबेडकर थे। इसी कार्यक्रम में स्कूल प्रधानाचार्य और शिक्षक,और शिक्षिकाएं मौजूद रही।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

लेखपाल आत्महत्या मामले में लेखपाल संघ बैठा धरने पर

दोषी अधिकारियों पर मुकदमे की मांग उठाई, प्रशासन से नहीं हो सकी बातचीत

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

फतेहपुर। बिंदकी थाना क्षेत्र में काम के दबाव और छुट्टी न मिलने से परेशान एक लेखपाल ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। मृतक लेखपाल सुधीर कुमार की बुधवार को शादी होनी थी। इस घटना के बाद लेखपाल संघ ने दोषी अधिकारियों पर मुकदमा दर्ज करने की मांग को लेकर धरना प्रदर्शन शुरू कर दिया है। 24 घंटे बाद भी जिला प्रशासन से लेखपाल संघ की वार्ता विफल रही है।

FOLLOW UP

यह घटना बिंदकी कोतवाली क्षेत्र के खजुहा स्थित बाग बादशाही की है। सुधीर कुमार लेखपाल के पद पर कार्यरत थे और वर्तमान में एसआईआर (स्क्रुक्र) के फॉर्म भरवाने के कार्य के लिए जहानाबाद विधानसभा के सुपरवाइजर नियुक्त किए गए थे। बताया जा रहा है कि काम के अत्यधिक दबाव और शादी के लिए छुट्टी न मिलने के कारण उन्होंने मंगलवार शाम करीब 6 बजे अपने घर के अंदर फांसी लगाकर जान दे दी। लेखपाल सुधीर की आत्महत्या के बाद लेखपाल संघ के जिलाध्यक्ष दिनेश, महामंत्री रवेंद्र कुमार और तहसील अध्यक्ष कुलदीप पटेल के नेतृत्व में लेखपालों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। उन्होंने एआरओ और कानूनगो के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग की है। मृतक की बहन की ओर से इस संबंध में एडीएम अवनीश त्रिवेदी को तहरीर भी दी गई है।घटना के 24 घंटे बीत जाने के बाद भी जिला प्रशासन से लेखपाल संघ की वार्ता सफल नहीं हो पाई है। देर रात करीब 2 बजे पहुंचे डीएम रविंद्र सिंह से भी लेखपालों की बातचीत बेनतीजा रही। बुधवार को भी मृतक के घर के बाहर लेखपालों और परिजनों का धरना प्रदर्शन जारी रहा। परिजन सुधीर की मंगेतर को नौकरी और दोषी अधिकारियों पर तत्काल मुकदमा दर्ज करने की मांग पर अड़े हुए हैं। मृतक लेखपाल सुधीर को डेढ़ वर्ष पहले ही नियुक्त किया गया था। उनकी शादी बुधवार को कोतवाली बिंदकी क्षेत्र के सीतापुर गांव निवासी काजल पुत्री रघुनंदन के साथ तय हुई थी। बताया जाता है कि एसआईआर के तहत लेखपालों पर काम का बहुत दबाव था। चर्चा है कि घटना वाले दिन सुबह एक कानूनगो उनके घर गया था और काम का दबाव बनाया था, जिससे आहत होकर सुधीर ने यह कदम उठाया। परिजनों और रिश्तेदारों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है और वे आरोपी अधिकारियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

धरने पर बैठे लेखपाल संघ के पदाधिकारी व कार्यकर्ता

स्वराज इंडिया
आसपास
09

लेखपाल ने शादी से एक दिन पहले फांसी लगा दी जान

सुबह कमरे का दरवाजा तोड़कर लोगों ने देखा शव, मौके पर पुलिस ने की जांच

मृतक लेखपाल की फाइल फोटो

एसआईआर प्रक्रिया को लेकर बवाल मौके पर पहुँची उप जिलाधिकारी

सपाईयों ने वोट काटने का आरोप लगाया

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात में मतदाता सूची को शुद्ध करने के लिए एसआईआर अभियान चलाया जा रहा है। लेकिन बारा गाँव में इस प्रक्रिया को लेकर आज बड़ा हंगामा खड़ा हो गया। समाजवादी पार्टी की कार्यकर्ता रुबीना कुरैशी ने एसआईआर फॉर्म में आ रही समस्याओं को लेकर आवाज उठाई, जिसके बाद जिला अध्यक्ष समेत कई सपा कार्यकर्ता मौके पर पहुँच गए और प्रशासन पर वोट काटने का आरोप लगाया।मौके पर पहुँचे पूर्व सांसद राजाराम पाल ने कहा कि बिहार चुनाव हाल ही में सम्पन्न हुए हैं और अब उत्तर प्रदेश में भी विधानसभा चुनाव नज़दीक हैं। ऐसे में किसी भी स्तर पर गड़बड़ी नहीं होने दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इस मुद्दे पर जिलाधिकारी से बातचीत की गई है और सभी अनियमितताओं की जानकारी उन्हें दे दी गई है।वहीं सपा कार्यकर्ता रुबीना कुरैशी का कहना है कि एसआईआर फॉर्म में भाग संख्या भरने में लगातार दिक्कतें आ रही हैं। इस कमी के आधार पर नोटिस भेजा जाएगा और वोट काटने की संभावना भी बन सकती है, जो हमारे लोकतांत्रिक अधिकारों पर सीधा प्रहार है। उन्होंने साफ कहा कि किसी भी कीमत पर वोट कटने नहीं दिए जाएंगे।इस पूरे विवाद को गंभीरता से लेते हुए उप जिलाधिकारी नीलिमा यादव मौके पर पहुँचीं। उन्होंने आश्वासन दिया कि सभी तकनीकी समस्याओं का जल्द समाधान किया जाएगा और किसी का भी अधिकार प्रभावित नहीं होने दिया जाएगा।

रिटायर्ड फौजी के सूने मकान में लाखों की चोरी

सर्दी शुरू होते ही चोरी बढ़ती जा रही घटनाएं

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

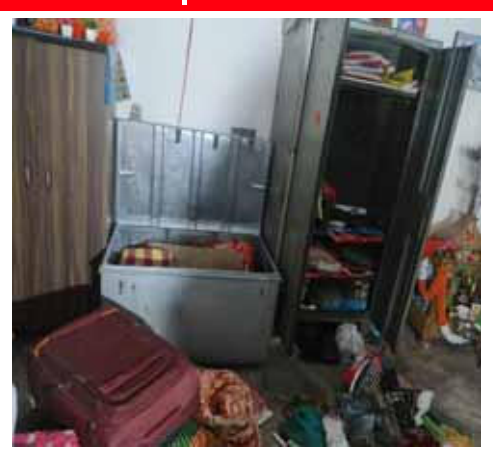

कानपुर देहात। सर्दी बढ़ते ही चोरी की घटनाएं लगातार बढ़ती जा रही है। इस क्रम में भोगनीपुर कोतवाली क्षेत्र के पुखरायां कस्बे में चोरों ने रिटायर्ड फौजी के सूने घर को निशाना बनाकर नगदी, जेवरात समेत महत्वपूर्ण दस्तावेज पार कर दिए। सूचना पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

पुखरायां कस्बे के शिवाजी नगर मोहल्ला निवासी रिटायर्ड फौजी वीर सिंह ने कोतवाली भोगनीपुर में तहरीर देकर पुलिस को बताया कि बीते सोमवार को वह मेडिकल कॉलेज अकबरपुर में रात्रि ड्यूटी के लिए गए हुए थे। उनकी पत्नी व बच्चे ससुराल में शादी समारोह में शामिल होने गए थे। तभी घर सूना पाकर अज्ञात चोर मेन गेट का ताला तोड़कर घर के अंदर प्रवेश कर गए और घर में रखी नगदी,जेवरात समेत महत्वपूर्ण दस्तावेज चोरी कर फरार हो गए। प्रभारी निरीक्षक अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

संविधान दिवस पर विशेष

संविधान ने दिया लोकतंत्र, फिर भी पुलिस में दिखती राजशाही

सीएम योगी खुद खड़े होकर सुनते हैं जनता की शिकायत लेकिन अफसर अपने अंदाज में हैं

- पुलिस के सीनियर ऑफीसर्स के दफ्तर दिखते राजा के दरबार सरीखे, फरियाद लिए खडी दिखती जनता
- सीनियर पुलिस अधिकारियों के यहां संविधान की मूल भावना दम दोडती दिखती, अंग्रोजों की व्यवस्था आज भी संविधान पर भारी

फरियादियों को गरिमापूर्ण ढंग से बिठाया गया और स्वयं मुख्यमंत्री ने खडे होकर उनकी समस्याएँ सुनीं और शिकायतों पर जरूरी दिशा निर्देश दिए।

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

खास खबर

कानपुर। आज संविधान दिवस के दिन सरकारी महकमों में संविधान को आत्मार्पित, अधिनियमित और अंगीकृत करने की कसमें जरूर खाईं गईं। संविधान का अक्षरशः पालन करने के वादे जुंबा पर जरूर आए। लेकिन साफ दिखा कि कसमें हैं कसमों का क्या ? अंग्रेजों की हिकमत और पुलिसिया व्यवस्था आज भी भारत के लोकतांत्रिक संविधान पर भारी दिखती है। कई पुलिस हुक्मरानों के दफ्तर की तस्वीरें उनके आधिकारिक फेसबुक पेज पर ऐसी दिखाई दीं जहां पुलिस के हुक्काम नवाबी अंदाज में दिखाई दिए और फरियादी कमजोर और असहाय के रूप में दिखाई दिए।

पुलिस कमिश्नर कानपुर के दरबार में बूंढी महिला खडे खडे ही पुलिस आयुक्त रघुवीर लाल को अपनी फरियाद सुनाने पर मजबूर दिखी।

वहां कई और फरियादी खडे होकर अपनी सुनवाई का इंतजार करते दिख रहे हैं। वहीं बरेली रेंज डीआईजी अजय कुमार साहनी के दरबार में फरियादी खडे होकर ही अपनी व्यथा सुनाते दिखते हैं। यहां दिखता है कि एक ही महिला फरियादी की चारों तरफ के हर एंगल से कैमरामैन ने फोटो कैप्चर की है। ऐसे में डीआईजी के दरबार में फरियादी क्या सहज महसूस करते होंगे ? यह बडा प्रश्न उभरता दिखता है।

वहीं कन्नौज के पुलिस कप्तान का लोकतंत्र के मंच पर सिंहासन सा व्यवहार है, तस्वीर बोल रही है कि ये अंग्रेजों का संस्कार है। लेकिन ब्रिटिश हुकूमत से आज़ाद हुए 78 साल पूरे हो गए लेकिन पुलिस अफसरों की कार्यशैली में आज भी अंग्रेजों सी नियत में दिख जाती हैं।ये तस्वीर प्रतीकात्मक रूप से शक्ति और निर्भरता का अन्तर दर्शाती दिखतीं हैं। ये तस्वीर संविधान और संविधान से मिले भारतीय लोकतंत्र की वास्तविक चुनौतियों को प्रदर्शित करती हुई साफ प्रतीत होतीं है। वहीं सोमवार को सूबे के मुख्यमंत्री आवास पर विभिन्न जिलों से आए फरियादियों को गरिमापूर्ण ढंग से बिठाया और उनकी समस्याए स्वयं मुख्यमंत्री ने खडे होकर सुनीं और शिकायतों पर जरूरी दिशा निर्देश दिए। सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के व्यवहार की झलक मातहतों को लोकतांत्रिक व्यवहार की नसीहत भले ही देती दिखती हो, लेकिन 78 वर्षों से आज़ाद देश में अंग्रेजों की विरासत को ढोते हुए सरकारी हुक्मरानों की कार्यशैली आज भी भारतीय संविधान और उसकी गणतांत्रिक भावना पर भारी पड़ती दिखती है ।

अब यहां पर देखिए

कन्नौज के पुलिस कप्तान का लोकतंत्र के मंच पर सिंहासन सा व्यवहार है, तस्वीर बोल रही है कि ये अंग्रेजों का संस्कार है

बरेली रेंज डीआईजी अजय कुमार साहनी के दरबार में फरियादी खडे होकर ही अपनी व्यथा सुनाते दिखते हैं।

अयोध्या में फहरी धर्मध्वजा 2027 व 2029 के लिए हिंदू समरसता का नया जयघोष

राम मंदिर से मोदी-भागवत-योगी ने दिया हिंदू एकता का व्यापक राष्ट्रीय सूत्र

स्वराज इंडिया एक्सक्लूसिव

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। धर्मध्वजा का आरोहण केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं था यह राष्ट्र-चेतना, सांस्कृतिक आत्मसम्मान और भविष्य की राजनीतिक दिशा का उद्घोष भी था। रामलला की प्राण-प्रतिष्ठा के बाद अब धर्मध्वजा की स्थापना ने भाजपा के 'धर्म विकास' मॉडल को स्थायी दर्शन का रूप दे दिया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का यह वाक्य राम मंदिर 2047 के विकसित भारत की वैचारिक नींव है पूरे आयोजन का सार था। शबरी, निषादराज, जटायु, अहिल्या जैसे प्रसंगों से प्रधानमंत्री ने दलित, पिछड़े, वनवासी समुदाय को रामकथा की मुख्यधारा से जोड़कर स्पष्ट कहा राम भक्ति देखते हैं, कुल नहीं।

राजनीतिक जानकारों के अनुसार अयोध्या में जो विविधता दिखाई गई आदिवासी, ओबीसी, पिछड़े समाज, संत-महात्मा यह स्पष्ट संकेत है कि भाजपा फिर से 2017 वाले 80-20 मॉडल की ओर लौट रही है। 2024 में जिस जातीय बिखराव से क्षति हुई थी, इस आयोजन ने उसी को साधने की भरपाई की। सपा सांसद अवधेश प्रसाद को न बुलाए जाने की राजनीति के बीच बड़ी संख्या में दलित संतों की उपस्थिति ने यह संदेश स्थापित किया कि हिंदू समाज व्यक्तियों से नहीं, परंपरा और श्रद्धा से चलता है।मोदी ने कहा कुछ लोग राम को काल्पनिक बताते थे, आज वही लोग देख रहे हैं कि राम भारत की आस्था का आधार हैं। मैकाले की शिक्षा व्यवस्था, गुलामी की मानसिकता और सांस्कृतिक दासत्व पर तीखा प्रहार करते हुए उन्होंने कहा कि 2035 तक मानसिक गुलामी से मुक्ति भारत का संकल्प होगा। तमिलनाडु के प्राचीन ग्राम-शासन को याद कर उन्होंने विपक्ष के विदेशी लोकतंत्र वाले विमर्श को निराधार सिद्ध कर दिया।समारोह में मोहन भागवत ने कारसेवकों की तपस्या का स्मरण कर यह स्पष्ट किया कि यह मंदिर केवल पत्थर की संरचना नहीं, पाँच शताब्दियों की साधना का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अयोध्या को 'विश्व की आस्था राजधानी' बताते हुए विकास का श्रेय प्रधानमंत्री को समर्पित किया यह भाजपा के भीतर नेतृत्व की सीधी स्पष्ट रेखा है। विशेषज्ञ मानते हैं कि संघ और भाजपा ने इस आयोजन से 2027 और 2029 की चुनावी-सांस्कृतिक रणनीति का शंखनाद कर दिया है।

प्राण-प्रतिष्ठा के बाद 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए

धार्मिक पर्यटन में अभूतपूर्व वृद्धि अयोध्या की अर्थव्यवस्था में नई चेतना अंधियारे शहर से विश्व के धार्मिक मानचित्र पर दमकती राजधानी यह सुगंधित परिवर्तन बताता है कि रामराज्य का मॉडल केवल आध्यात्मिक नहीं, आर्थिक भी है। प्राण-प्रतिष्ठा के बाद 45 करोड़ से अधिक श्रद्धालुओं का आगमन हो चुका है। अयोध्या अब उत्तर प्रदेश की जीडीपी में भी खासा योगदान दे रही है।

धर्मध्वजा के साए में नई राष्ट्रीय पटकथा

अयोध्या में फहराई गई धर्मध्वजा स्पष्ट संदेश देती है 2024 की जाति-आधारित राजनीति अब समाप्त, 2017 की समरस हिंदू चेतना की पुर्नस्थापना शुरू। यह आयोजन केवल एक धार्मिक समारोह नहीं, बल्कि राष्ट्र की सांस्कृतिक स्मृति का जागरण, और आने वाले दशक की राजनीतिक दिशा का उद्घोष था।

अयोध्या के कलक्टर से सीएम के मुख्य सलाहकार तक अयोध्या यात्रा का पवित्र पड़ाव

» अवनीश अवस्थी ने एक्स पर लिखा अयोध्या के साथ मेरा सफर 1997 में शुरू हुआ था

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। राम मंदिर के ध्वजारोहण समारोह में जहां हजारों साधु-संत, रामभक्त और शीर्ष नेतृत्व मौजूद रहा, वहीं कार्यक्रम में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के मुख्य सलाहकार और पूर्व आईएएस अवनीश कुमार अवस्थी भी विशेष चर्चा में रहे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत की उपस्थिति में राम जन्मभूमि मंदिर के शिखर पर हुए ध्वजारोहण को देखकर अवस्थी भावुक हुए। सोशल मीडिया पर उनकी मंदिर परिसर में खड़ी तस्वीर व्यापक रूप से साझा की जा रही है।

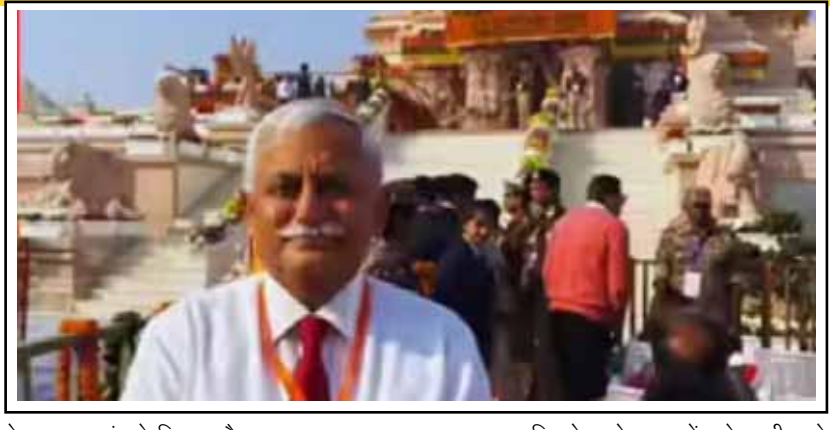

अवनीश अवस्थी ने एक्स पर लिखा अयोध्या के साथ मेरा सफर 1997 में शुरू हुआ था, जब मैं जिलाधिकारी था। आज पूरी तरह से बने भव्य राम मंदिर में ध्वजारोहण देखना उस लंबी यात्रा का पवित्र पड़ाव है। सदियों की आस्था को इस दिव्य रूप में देखकर स्वयं को विनम्र और धन्य महसूस कर रहा हूँ। इस ऐतिहासिक क्षण को संभव बनाने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को हार्दिक बधाई। अवस्थी के इस पोस्ट और तस्वीर ने प्रशासनिक हलकों में भी खूब चर्चा बटोरी। उन्हें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का सबसे भरोसेमंद और रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण अधिकारी माना जाता है। रिटायरमेंट के बाद भी योगी सरकार ने उनके अनुभव को देखते हुए उन्हें मुख्यमंत्री का मुख्य सलाहकार नियुक्त किया। 1997 में अयोध्या के जिलाधिकारी रहने के दौरान राम जन्मभूमि से जुड़े हालातों को करीब से संभालने के बाद उनकी इस शहर से विशेष भावनात्मक और प्रशासनिक दोनों तरह की जुड़ाव की शुरुआत हुई थी। राम मंदिर निर्माण के दौरान वे लगातार सक्रिय रहे और कई दौरों में प्रगति की पड़ताल भी की। ध्वजारोहण के इस ऐतिहासिक अवसर पर उनकी उपस्थिति और भावुक प्रतिक्रिया ने यह संदेश भी दिया कि अयोध्या का यह रूप उन अधिकारियों की लंबी प्रशासनिक यात्रा का भी परिणाम है, जिन्होंने अपने कार्यकाल में इस बदलाव के लिए आधार तैयार किया।

खून से लथपथ मिला युवक का शव, गोली मार कर हत्या किए जाने का शक

घर से विवाह समारोह में शामिल होने के लिए निकला था, पिता ने की शव की शिनाख्त

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

अयोध्या। कुमारगंज थाना क्षेत्र के गणेशपुर भुलाई तिवारी गांव की सुबह खून में भीगे एक शव के मिलने से सनसनी फैल गई। खून से तर-बतर शव को देखकर गोली मारकर हत्या की आशंका जताई गई।

ग्रामीणों की सूचना पर चिलबिली चौकी पुलिस मौके पर पहुँची, लेकिन मृतक की पहचान उस वक्त तक नहीं हो सकी।

पुलिस ने आसपास पूछताछ की, लेकिन पहचान नहीं हो सकी। पंचनामा करके शव को मर्चरी भेजा गया और सोशल मीडिया पर तस्वीरें वायरल की गईं ताकि पहचान हो सके।

दोपहर बाद तस्वीरें देखने के बाद सुल्तानपुर के बल्दीराय क्षेत्र के शिला पाण्डेय का पुरवा दक्खिन गांव के निवासी रामचरित्र पाण्डेय मर्चरी पहुंचे। वहां उन्होंने शव की शिनाख्त अपने 18 वर्षीय बेटे सौरभ पाण्डेय उर्फ कप्तान के रूप में की। वह घर से शादी समारोह में शामिल होने निकला था।

थानाध्यक्ष ओमप्रकाश के अनुसार, मौत का कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद स्पष्ट होगा, हालांकि शुरुआती हालात गोली लगने की ओर इशारा कर रहे हैं।

क्या कप्तान की हत्या कहीं और करके शव फेंका गया? पुलिस कई एंगल पर काम कर रही है। परिजनों का कहना है कि सौरभ किसी दुश्मनी में नहीं था, न ही किसी अपराध प्रवृत्ति से जुड़ा था। पुलिस अब कप्तान के मोबाइल लोकेशन आखिरी कॉल डिटेल शादी समारोह के लोगों के बयान पर फोकस कर रही है।

संविधान सशक्त लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक, सभी को समान अधिकार

लखनऊः लोकभवन में 76वें संविधान दिवस कार्यक्रम में शामिल हुए सीएम और डिप्टी सीएम

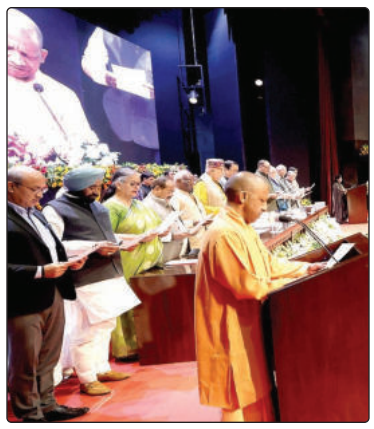

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

लखनऊ। 76वें संविधान दिवस के अवसर पर विभिन्न आयोजन हो रहे हैं। उत्तर प्रदेश में भी राज्य के कई स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें लखनऊ स्थित लोकभवन सभागार भी शामिल रहा। यहां संविधान की प्रस्तावना का सामूहिक पाठ और शपथ ग्रहण कार्यक्रम हुआ, जिसमें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं उपस्थित रहे। उन्होंने कहा कि संविधान दिवस की प्रदेश वासियों को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

न्याय, समता और बंधुता भारत के संविधान की मूल भावना हैं। 'भारत रत्न' बाबा साहब डॉ. भीमराव आंबेडकर जी की अद्भुत दृष्टि, प्रखर विचार और अथक परिश्रम से निर्मित हमारा संविधान विश्व के सबसे सशक्त लोकतांत्रिक मूल्यों का प्रतीक है। संविधान, राष्ट्र की एकता, अखंडता और प्रगति का आधार होने के साथ ही हर नागरिक को समान अधिकार, सम्मान और अवसर भी प्रदान करता है।

कोई एक व्यक्ति गलती करता है तो उसके लिए पूरी व्यवस्था को नहीं कोसा जाना चाहिए

सीएम योगी ने कहा कि यदि कोई एक व्यक्ति गलती करता है तो उसके लिए पूरी व्यवस्था को नहीं कोसा जाना चाहिए, बल्कि गलती के परिमार्जन का अवसर देना चाहिए। कोई बार-बार गलती करता है तो परिमार्जन का अवसर देते हुए प्रभावी कदम उठाने के लिए कहना चाहिए। उसके लिए पूरे सिस्टम को दोषी नहीं ठहरा सकते।

सीएम योगी ने कहा, भारत इकलौता देश है जहां पहले दिन से ही हर व्यस्क नागरिकों को मताधिकार दिया गया है। 26 नवंबर 1949 को संविधान अंगीकृत हुआ था और 2015 से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की प्रेरणा से पूरे देश में इसे संविधान दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। संविधान सभा ने 2 वर्ष 11 माह 18 दिन में इसे तैयार किया, जिसमें डॉ. राजेंद्र प्रसाद अध्यक्ष थे और डॉ. अम्बेडकर की ड्राफ्टिंग कमेटी की भूमिका अहम रही। आज लोग स्वतंत्रता की कीमत भूलते जा रहे हैं। क्रूर यातनाएं न देखने-सहने के कारण हर व्यक्ति सिर्फ अधिकार की बात करता है, जबकि अधिकार तभी सुरक्षित होते हैं जब हम कर्तव्यों का पालन करें। कर्तव्यहीनता से लोकतंत्र कमजोर होता है और तानाशाही पनपती है।

विकसित भारत का सपना साकार कर सकेंगे

सीएम योगी ने कहा, संविधान का अपमान मतलब बाबा साहेब अम्बेडकर, स्वतंत्रता सेनानियों और देश की आधी आबादी का अपमान है। कर्तव्यों का पालन कर ही हम आत्मनिर्भर और विकसित भारत का सपना साकार कर सकेंगे।हर संस्था, पंचायत में ऐसे आयोजन करके संविधान की प्रस्तावना का वाचन करने का प्रयास हुआ है। 2015 में संविधान दिवस पर पीएम मोदी ने कहा था कि हममें से हर व्यक्ति स्वतंत्र भारत का नागरिक है।

सीएम योगी ने कहा कि संविधान लागू होने के बाद भारत ने इसे सर्वोपरि मानकर सम्मान दिया। स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों व प्रतीकों को सम्मान दिया और जिन मूल भावनाओं पर भारत का संविधान बना है, उसे जीवन का हिस्सा बनाने का प्रयास किया। जब कोई देश मूल भावनाओं को सम्मान देते हुए बढ़ता है तो उसे विकसित होने से कोई रोक नहीं सकता।

सीएम योगी ने कहा कि यदि हम भारत के संविधान का अपमान करते हैं तो यह बाबा साहेब, स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों-बलिदानियों और उन गरीबों का अपमान है, जिन गरीबों ने संविधान के ताकत के बल पर लोकतांत्रिक अधिकार पाया है। उस आधी आबादी का अपमान है, जिन्हें संविधान ने पहले आम चुनाव के अंदर ही मत देने का अधिकार प्रदान कर दिया था।

सीएम ने कहा कि दुनिया में आधुनिक लोकतंत्र की घोषणा करने वाले तमाम देशों ने कुछ ही तबके को मत देने का अधिकार दिया था।

सीएम योगी ने कहा कि तमाम बड़े देश, जो आधुनिक लोकतंत्र का ठेकेदार बनकर घूमते हैं, उन्होंने महिलाओं को मत देने का अधिकार बहुत बाद में दिया, लेकिन भारत ने अपने व्यस्क नागरिकों को पहले ही दिन से मत देने का अधिकार प्रदान किया।

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सुरेश खन्ना, मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार सूर्य प्रताप शाही, मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार धर्मपाल सिंह, मंत्री उत्तर प्रदेश सरकार दारा सिंह चौहान, राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) उत्तर प्रदेश सरकार धर्मवीर प्रजापति, राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार बलदेव सिंह औलख, राज्यमंत्री उत्तर प्रदेश सरकार दानिश आजाद अंसारी, अध्यक्ष अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति आयोग उत्तर प्रदेश बैजनाथ रावत, मेयर सुषमा खर्कवाल एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

कमला पसंद-राजश्री के मालिक की बहू ने घर में की आत्महत्या!

सुसाइड नोट में लिखा- मुझे भरोसा नहीं, परिजनों ने लगाए ससुराल पर आरोप

» वरिष्ठ संवाददाता, स्वराज इंडिया ब्यूरो।

नई दिल्ली। दिल्ली में नामी ब्रैंड कमला पसंद पान मसाला के मालिक की बहू के सुसाइड की खबर ने सबको चौंका दिया है। मशहूर पान मसाला कंपनी कमला पसंद और राजश्री ग्रुप के मालिक कमल किशोर चौरसिया की बहू ने आत्महत्या करके अपनी जान दे दी है। मृतका दीप्ति चौरसिया (40) का शव मंगलवार शाम को वसंत विहार स्थित उनके आवास पर चुन्नी से लटका मिला है। पुलिस ने दीप्ति के शव को कब्जे में लेकर मामले की जांच शुरु कर दी है।

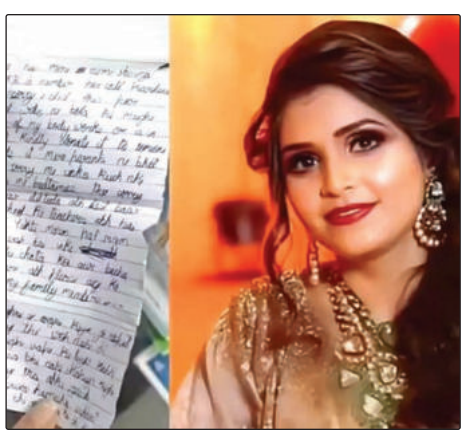

खबरों के अनुसार, मौके से पुलिस को दीप्ति की डायरी मिली है। हालांकि, पुलिस सूत्रों के मुताबिक, इस नोट में दीप्ति ने किसी पर कोई सीधा आरोप नहीं लगाया है। लेकिन इसमें उसने पति से लड़ाई का जिक्र किया है। वहीं बात की जाए दीप्ति के मायके वालों की तो उन्होंने बेटी के ससुराल वालों पर खुदकुशी के लिए उकसाने का गंभीर आरोप लगाए हैं। दीप्ति के परिवार वालों ने लिखित में कमल किशोर के परिवार के खिलाफ शिकायत दी है और मामले की गहन जांच की मांग की है।

वर्ष 2010 में दीप्ति की शादी कमल किशोर के बेटे हरप्रीत चौरसिया से हुई थी। इस दंपति का 14 साल का एक बेटा भी है। खबरों के मुताबिक, हरप्रीत चौरसिया ने दो शादियां की हैं, और उनकी दूसरी पत्नी दक्षिण भारतीय फिल्मों की एक अभिनेत्री बताई जाती है। खबरों के अनुसार, दीप्ति ने अपने सुसाइड नोट में लिखा है कि अगर किसी रिश्ते में प्यार नहीं, भरोसा नहीं तो फिर रिश्ते में रहने की और जीने की वजह क्या है।

मारपीट और प्रताड़ना, पति का अफेयर, दो शादियां थीं वजह?

बहू दीप्ति ने अपनी मौत का जिम्मेदार अपने पति और उनके साथ हो रहे लगातार झगड़े को बताया है। अब इसल पूरे केस, के बीच दीप्ति के भाई ऋषभ का भी बयान सामने आया है। उन्होंने कमला पसंद के मालिक के घरवालों पर संगीन आरोप लगाए हैं। ऋषभ ने बताया कि बहन को उसकी सास और पति मारते थे, यहीं नहीं दीप्ति के पति हरप्रीत का किसी और लड़की से अफेयर था

मीडिया से बातचीत में दीप्ति के भाई ऋषभ चौरसिया ने बताया कि मेरी बहन की सास उनकी सास और पति उन्हें मारते-पीटते थे। उनके पति, हरप्रीत, के अफेयर था। जब हमें इस बारे में पता चला, तो हम अपनी बेटी को घर वापस ले आए। इसके बाद, उनकी सास उन्हें वापस ले गईं। कहा-बेटी की तरह रखेंगे। मेरी बहन मुझे फोन करके बताती थी कि उसे प्रताड़ित किया जाता है और उसके पति के अफेयर हैं। ऋषभ ने कहा कि घर की इस कलह के चक्कर में पापा यानी हरप्रीत के ससुर को ब्रेन स्ट्रोक हो गया,पापा कोमा में चले गए। बहन ने फिर शिकायत की तो हम लोग उसे घर ले आए। सास उसे दोबारा ले गई थीं।

मैं बस न्याय चाहता हूं: भाई

दीप्ति चौरसिया के भाई ऋषभ ने आगे बताया कि मुझे नहीं पता कि मेरी बहन की हत्या हुई है या उसने आत्महत्या की है। मैंने उनसे 2-3 दिन पहले बात की थी। मैं बस न्याय चाहता हूं। मेरी बहन की शादी 2010 में हुई थी। उनके पति के साथ उनके संबंध अच्छे नहीं थे। वह उन्हें शारीरिक रूप से प्रताड़ित करते थे और गालियां देते थे।